Hindi Handbook
(Text & Workbook Answers)

इंद्रधनुष

भाग-5

RAINBOW PUBLISHERS PVT. LTD.
Value Education

IX/14-15, Kakkanad-Pallikkara Road, Athani
Kusumagiri P.O., Kakkanad, Kochi-682 030.
Phone: 0484-2429261, 9072391869, 8594040422

पाठ 1 **अच्छी आदतें**

आ. हृदय, कलेजा

अच्छा, बहतरीन

व्यवहार, चरित्र

ई. आदतें

शिकायतें

बातें

यादें

उ. क. हमें याद करनी है कि आदतें हमेशा अच्छी होती हैं। हमें इन अच्छी आदतों का आचरण करना है।

ख. हमें अच्छी आदतों का आचरण करना चाहिए।

ग. दुखितों के प्रति हमें दया का भाव दिखाना चाहिए।

घ. बड़ों के प्रति हमें आदर का भाव दिखाना चाहिए।

ङ. अच्छी आदतों का आचरण और जीवन में सही काम करने की बातें हमें याद दिलानी हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. हमें अच्छा आदतों का आचरण करना चाहिए। अच्छी आदतों का पालन करना चाहिए। बड़ों की बातें माननी चाहिए। दुखितों के प्रति दया का भाव दिखाना चाहिए। बड़ों का आदर करना चाहिए। हमें दूसरों का दिल कभी भी दुखाना नहीं चाहिए।

आ. क. काम सही करना जीवन में

ख. सोचो शिकायत करने का मोका

ग. ध्यान देनी है दूसरों की बातें

इ. हमें अच्छा आदतों का आचरण करना है। बड़ों की बातें सुननी है। बड़ों का आदर करना है। अच्छी आदतों को हमेशा याद करना है। दुखितों के प्रति हमें दया का भाव दिखाना है। दूसरों का दिल कभी भी दुखाना नहीं चाहिए।

ई. भला — अच्छा

याद — स्मृति

मौका — अवसर

ध्यान — सावधानी

पाठ 2 **एकता का प्रतीक**

आ. बच्ची — विधुर

ब्राहमण — बालिका

जुलाहिन — पिता

इ. क. भ्रमण करना - कबीर ने भ्रमण करके ज्ञान प्राप्त किया था।

ख. बढ़ावा देना - कबीर ने हिन्दू-मुसलमान एकता को बढ़ावा दिया।

ग. आकृष्ट होना - कबीर अपने गुरु रामानंद के प्रति आकृष्ट हुए।

उ. क. कबीर का जन्म सन् 1455 में काशी में हुआ था।

ख. कबीर के गुरु रामानंद थे।

ग. कबीर ने मानव को समझाया कि मधुरवचन औषधि के समान ह और कटु वचन तीर के समान है।

घ. कबीर ने अपने जीवन में गुरु को अधिक महत्व दिया। वे मानते हैं कि गुरु ही ईश्वर के दर्शन कराने में सहायक है।

ङ. लोगों को उन्होंने सरल और सात्विक ढंग से रहने का मार्ग दिखलाया।

WORK BOOK ANSWERS

अ. देश - देश   बालक - बालक

गुरु - गुरु

आ. कटु - तीक्ष्ण   प्रयत्न - मेहनत

जीवन - ज़िन्दगी   ढंग - रीति

इ. क. राम का भाई गोपाल हैं।

ख. लीला के पिताजी अध्यापक हैं।

ग. राजू की बहन रमा है।

घ. राम के तीन दोस्त हैं।

पाठ 3 **समाचार पत्र का प्रभाव**

आ. महँगा   शाम

बैठना   अर्वाचीन

कठिन   विदेश

इ. साध्य, बाध्य

सस्ता, रास्ता (मस्त, चुस्त)

स्वस्थ, गृहस्थ

ई. उन्मूलन करना - राजा राममोहन राय ने सतीप्रथा का उन्मूलन किया।

पैदा करना - समाचार पत्र जनता में जागरण पैदा करता हैं।

आविष्कार - वैज्ञानिक नये-नये आविष्कार करते हैं।

विद्यमान - मनुष्यों में समाचार जानने की उत्सुकता विद्यमान हैं।

उ. क. समाचार पत्र पढ़ने से हमें पूरे विश्व में होनेवाली घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती हैं।

ख. पुराने ज़माने में मुसाफिरों और संदेशवाहकों के द्वारा समाचार प्राप्त होता था।

ग. समाचार पत्र की शुरुआत छापाखाने के आविष्कार के साथ हुई।

घ. भारत का सर्वप्रथम समाचार पत्र 'बंगाल गज़ट' नाम से प्रकाशित हुआ।

ङ. समाचार पत्र के कार्यालय में मुख्यतः दो विभाग होते हैं।

च. समाचार पत्र अनेक प्रकार के होते हैं। वे हैं - दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, वार्षिक।

छ. समाचार पत्रों का फ़र्ज़ है कि वे समाचारों को सच्चाई से लोगों तक पहूँचाएँ।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. अखबार   घ. उत्तरदायित्व (फर्ज़)

ख. दर्पण   ड़ शुरुआत

ग. उन्नति

आ. क. समाज और व्यक्ती के बीच अटूट रिश्ता है।

ख. संमाचार पत्रों का विकास अंग्रेज़ी शासन के समय हुआ था।

ग. दूरदर्शन पर महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी देख सकते हैं।

घ. सतिप्रथा का उन्मूलन करना इन अखबारों का लक्षय था।

ङ. यह पत्र लोगों में जागरण पैदा करनेवाला था।

च. संमाचारों का संपादन कार्य करना संपादक का दायित्व है।

पाठ 4 **देश का अन्नदाता**

आ. प्यासा — अमीरी
शहर (नगर) — बेचना
निरर्थक — आलसी

इ. परिस्थितियाँ — फसलें
मकानें — सुविधाएँ
योजनाएँ — तरीके

ई. क. मन मोह लेना - फूलों की खुश्बू मन मोह लेती हैं।

ख. खून पसीना एक करना - किसान खून पसीना एक करके अनाज पैदा करता हैं।

ग. फूला न समाना - नई साईकिल मिलने पर राम फूलें न समा सका।

उ. क. किसान कठिन प्रयत्न, सेवा, त्याग और दया का जीता जागता प्रतीक है।

ख. समाज का पालन करना ही किसान का कर्तव्य है।

ग. किसान का जीवन बहुत ही सादा और सरल होता है।

घ. भारतीय सरकार ने किसान को खेतबारी के नवीन उपायों की जानकारी प्राप्त करने की सुविधाएँ प्रदान की हैं।

ङ. देश के जवान देशवासियों को शत्रुओं के आक्रमण से बचाते हैं और किसान देशवासियों को अन्न प्रदान करके उन्हें भुखमरी से बचाते हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. किसान का जीवन बहूत ही सादा और सरल होता हैं।

ख. रसायनिक खाद और बेहतर किस्म के बीजों का प्रयोग किया जाता हैं।

ग. सहकारी समिति द्वारा किसान को अपने उत्पादन का उचित दाम मिलने लगा।

घ. बाढ, अकाल आदि के कारण से पैदावर का नाश होता हैं।

आ. अन्नदाता — उत्पादन
सुधारना — हरियाली
किस्म — शोचनीय

इ. देशवासी
किसान
साहूकार
आर्थिक
मेहनती

ई. मोंमबत्ती का निर्मण, जूते का निर्मण, रस्सी का निर्मण, अगरबत्ती का निर्मण

पाठ 5 **पढ़ो और बढ़ो**

आ. शत्रु — खोना
पीछे — अज्ञान

इ. दोस्त, सखा — रास्ता, राह
संसार, जग

ई. पुस्तकें मंजिलें
पीढियाँ रास्ते
भावनाएँ

ऊ. क. पुस्तकें हमारी मार्गदर्शन करती है, इसलिए वे हमारी मित्र हैं।

ख. पुस्तकें सबके दिल में महान कार्य करने की भावनाएँ जगाती हैं।

ग. हमें अच्छी पुस्तकें चुननी चाहिए।

घ. पढ़कर हमें आगे बढ़कर कामयाबी की मंजिलें पानी हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. पुस्तकों को आलय ही पुस्तकालय हैं। पुस्तक हमारे सच्चे मित्र हैं। पुस्तक हमारे सच्चे मित्र हैं।पुस्तकों से हमें ज्ञान मिलता हैं। मनोरंजन का कार्य भी पुस्तकों से मिलता हैं। हमें अच्छी पुस्तकें पढ़नी चाहिए। पुस्तकीय ज्ञान से हम कामयाबी की मज़लें छू सकते हैं।

आ. पुस्तकों की दुनिया अजीब होती हैं। वे हमारे मित्र हैं। वे हमारा सही मार्गदर्शन करते हैं। पुस्तकें हमें सही रास्ता दिखाता हैं। वे हमे ज्ञान प्रदान करती हैं। वे हमें भलाई का उपदेश देती है। पुस्तक पढ़कर हम सफलता की मंजिल तक पहँच सकते हैं।

इ. क. पुस्तकों हमारा मार्गदर्शन करती हैं।

ख. पुस्तकें हमारा मनोरंजन करती हैं।

ग. अच्छी तरह पढ़ने से छात्रों को कामयाबी मिलती हैं।

ई. क. भंड़ार, सुननेवाला

ख. हमेशा, दंड़

पाठ 6 **चिड़ियाघर**

इ. क. दंग रह जाना - ताजमहल का सौंदर्य देखकर (मैं दंग रह गयी।) (हम दंग रह जायेंगे)।

ख. मन मोह लेना - फूलों की खुशबू हमारा मन मोह लेती हैं।

ग. फूला न समाना - नई गाड़ी मिलने पर गोपाल फूलें न समा सका।

ई. क. मैसूर शहर चन्दन और रेशम केलिए प्रसिद्ध है।

ख. जिस स्थान में देश-विदेश के अनेक प्रकार के पशु पक्षियों को पिंजडे के अंदर रखते हैं, उसे चिडियाघर कहते हैं।

ग. जंगल का राजा शेर है।

घ. पेड़ों पर झूलनेवाले बंदर अपनी हरकतों से पर्यटकों का मनोरंजन करते हैं।

ङ. चिडियाघर के कर्मचारी पशु-पक्षियों के संरक्षण और उनका पालन - पोषण करते हैं।

च. चिडियाघर के दर्शन से कई तरह के पशु-पक्षि, उनके रहन सहन, खान-पान तथा उनके स्वभाव के बारे में हमें जानकारी मिली।

WORK BOOK ANSWERS

अ. केसरी, सिंह
पंछी, खग
तुरंग, अश्व

आ. गला योजना
यात्री यात्रा
अवसर प्रसिद्ध

इ. चिड़िया + घर

मुख्य + मंत्री

शाँति + दूत

ई. क. मैसूर चन्दन और रेशम केलिए मशहूर शहर है।

ख. हम सबेरे ही चिडियाघर पहूँच गए।

ग. बच्चे हाथी की सवारी का भी आनंद ले रहे थे।

ध. शेर की गर्दन पर लंबे - लंबे बाल थे।

ङ भयंकर दहाड से पूरा चिड़ियाघर काँप उठा।

उ. हाथी, बन्दर, हिरण, नीलगाय, साँभर, काला, हिरण, बारहसिंगा, शेर, भालू, चिता, जिराफ, मगरमच्छ, दरियाई घोड़ा, तेंदुआ, ज़ेबरा जैसे जानवर देखे। बतख, सास्त, हंस, मोर, कबूतर, तीतर जैसे पक्षियों को भी देखा।

पाठ 7 क्रिकेट - एक लोकप्रिय खेल

आ. जीत अंत

दोष पराजय

नफरत कम

इ. इक - मानसिक इक - शारीरिक

इक - धार्मिक इक - प्राकृतिक

ई. परमात्मा, आत्मा

स्वस्थ, गृहस्थ

सर्वस्व, वर्चस्व

उ. इकट्ठा होना - दुर्घटना की जगह पर भीड़ इकट्ठी हुई।

उत्पन्न होना - खेलों से खिलाड़ी में आत्म निर्भरता की भावना उत्पन्न होते है।

कायम रखना - हमें अपने देश की एकता को कायम रखना चाहिए।

भाग लेना - बच्चों को अपने स्कूलों में कई प्रकार के खेलों में भाग लेना चाहिए।

स्वीकार करना - साम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को स्वीकार किया।

ऊ. विशेषताएँ कोने

साथी फैसले

ए. क. खेल कई प्रकार के होते हैं।

ख. खेलों से खिलाड़ी में आत्म निर्भरता की भावना उत्पन्न होती है।

ग. क्रिकेट एक मनोरंजक खेल है।

घ. क्रिकेट का खेल एक विशाल और समतल मैदान में खेला जाता हैं। खेल के मैदान के बीचों-बीच एक खेल पट्टिका होती है, उसे 'पिच' कहते हैं।

ङ. क्रिकेट एक मनोरंजक खेल है। क्रिकेट का मैंच दो टीम के बीच होता है। यह खेल एक विशाल और समतल मैदान में खेला जाता है। खेल के मैदान के बीचों-बीच एक खेल पट्टिका होती है, वही 'पिच' है। क्रिकेट के मांच में टीम के कप्तान को महत्वपूर्ण स्थान है।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. बल्लेबाज़ी करनेवाले खिलाड़ी को बल्लेबाज़ कहते हैं।

ख. खेलखूद हमारा शारीरिक और मानसिक विकास को कायम रखते हैं।

ग. गेंदबासी करनेवाले खिलाड़ी को गेंदबास कहते हैं।

घ. क्रिकेट के दोनों टीमों में ग्यारह खिलाड़ी होते हैं।

आ. आत्मनिर्भरता

अनुशासन

खेलकूद

सहनशीलता

आज्ञापालन

सहानुभूति

पाठ 8 **बहादुर लड़की**

आ. पराजय — ड़रपोक

मृत — दोस्त

देशद्रोही — नश्वर

इ. क. गलत

ख. सही

ग. गलत

घ. सही

ङ. गलत

ई. क. जीनी को प्रारंभिक शिक्षा अपनी माँ से मिली।

ख. जीनी ने सपने में देखा कि कोई देवदूत उसके सामने आकर कह रहा था कि 'तुम्हारा राज्य बड़ी मुसीबत में है। केवल तुम्ही शत्रु से देश की रक्षा कर सकती हो'।

ग. जीनी ने सेनापति से देश की रक्षा के लिए एक घोड़ा, कवच और कुछ सैनिक माँगे।

घ. जीनी ने दृढ़ता से युद्ध करके शत्रुओं को अपने नगर से भगा दिया।

ङ. जीनी इतिहास में 'जॉन ऑफ आर्क' के नाम से प्रसिद्ध है।

WORK BOOK ANSWERS

अ. वीराँगना — बालिका

लड़की — पड़ोसिन

मालकिन — नौकरानी

आ. नम्रता — घायल

झंड़ा — न्योछावर

देवदूत — प्रसिद्ध

इ. क. इतिहास के पन्ने पलटें तो हमें किसकी झलक मिलेगी?

ख. जीनी ने क्या तय किया?

ग. जीनी ने लड़ाई में किसे हरा दिया?

घ. फ्रन्स में किस दिन जीनी के स्मृति-दिवस के रूप में मनाया जाता है?

ङ जीनी इतिहास में किस नाम से प्रसिद्ध हैं?

ई. जॉन का जंन्म फ्रॉन्स के एक गाँव में हुआ था। उसे अपने देश के प्रति बहूत प्यार था। वह अपनी जान देकर भी स्वदेश की रक्षा करने के लिए तैयार थी। वह एक वीर बालिका थी। फ्रन्स में ३० मई का दिन जॉन के जन्म दिन के रूप में मनाया जाता है।

पाठ 9 **पर्वतराज हिमालय**

आ. नाटा — एक
नया — आसान
पाप

इ. नदियाँ — तराईयाँ
मुश्किलें

ई. महीप, भूपति
पृथ्वी, धरा
गिरी, पहाड
दुनिया, जग
रास्ता, मार्ग

ऊ. क. पर्वतों का राजा हिमालय है।
ख. हिमालय सदियों से हमारी रक्षा करता है।
ग. हिमालय ने हिम का मुकुट धारण किया है।
घ. हिमालय की गोदी में पलनेवाले निर्भीक होते हैं और वे तूफानों से भी टकराते हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ.	भूमि	धरती	(दुनिया)	पृथ्वी
	नाता	रिश्ता	(संपत्ति)	संबन्ध
	(हिम)	पर्वत	पहाड़	गिरी
	पवित्र	(अशुद्ध)	पुण्य	पावन
	नदी	(सागर)	तटिनी	सरिता

आ. बर्फ़ — सिर
चोटी — पहरेदार
छाया — शताब्दी

इ. हिमालय भारत का प्रहरी है। इस विश्व का उँचा पर्वत है। हिमालय से पुण्य नदियाँ बहती हैं। सदियों से हिमालय उसकी गोदी में पलनेवालों का रक्षा करता है। इसलिए हिमालय को पर्वतराज कहा गया है।

पाठ 10 **कंप्यूटर**

ई. क. आज के युग की विशेषता है कि वह वैज्ञानिक चमत्कारों का युग है।
ख. कंप्यूटर जोड़ करने का एक परिष्कृत मशीन है।
ग. लंबे-चौड़े आँकड़ों को व्यवस्थित करना कंप्यूटर की खासियत है।
घ. 1942 में गणितज्ञ जे.वी.न्यूमान ने आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार किया।
ङ. कंप्यूटर पाँच अंगों में विभाजित है। वे हैं - आगत, स्मृति, संसाधन, नियंत्रक, निर्गत।
च. विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा के लिऐ उपयोग करते हैं। रेलवे स्टेशन, कार्यालय, बैंक एवं व्यवसाय के श्रेत्र में इसका उपयोग होता है।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. कंप्यूटर एक ऐसा यंत्र है जो मानव मस्तिष्क की उपज है।
ख. आज का युग वैज्ञानिक चमत्कारों का युग है।
ग. आजकल कंप्यूटर पर इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध है।
घ. आधुनिक जीवन-पद्धति में इसका योगदान सराहनीय है।

ङ. विज्ञान अलादीन के चिराग की तरह हमारी सभी इच्छाएँ पूरी करता है।

च. विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा का अनिवार्य अंग बना हैं।

इ. आज का युग वैज्ञानिक चमत्कारों का युग है। शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न विषयों की जानकारी कंप्यूटर से ली जाती है। रेलवे स्टेशन कार्यालय, बैंक, व्यवसाय में कंप्यूटर बहूत उपयोगी वस्तु बन गयी है। कंप्यूटर पर ईटरनेट की सुविधा होने से सभी खबरें कुछ ही क्षणों में हमें उपलब्ध होती हैं। इसलिए आधुनिक जीवन-पद्धति में कंप्यूटर का योगदान सराहनीय होता हैं।

ई. क. सभी कार्य-निर्देश और आँकड़े संसाधित होकर परिणाम के रूप में प्रकाशित होते हैं। 5

ख. कार्यक्रम आँकड़े और कार्य-निर्देश कंप्यूटर में डाले जाते हैं। 1

ग. वस्तु सामग्री को एक अंग से दूसरे अंग तक पहँचाने का काम होता हैं। 4

ध. इसमें कार्यक्रमों और आँकड़ो का संग्रहण करके सुरक्षित रखा जाता हैं। 2

ङ. संसाधन कार्य संपन्न होता हैं। 3

पाठ 11 **धर्म की स्थापना**

आ. असत्य अधर्म
अनीति दोष
कायर

इ. रानी वृद्धा
पुत्री राक्षसी
माता दासी

ई. घटनाएँ तैयारियाँ
रानियाँ योग्यताएँ

उ. महीप, भूपति
बेटा, सुत

ऊ. क. वर्णन करना - अध्यापक ने कहानी का वर्णन किया।

ख. विघ्न डालना - रावण ने राम के मार्ग में विघ्न डाला था।

ग. शुरू करना - घर आकर रवि ने पढ़ना शुरू किया।

ए. क. एक क्रौंच पक्षी आखेटक के बाण से घायल होकर ऊपर से आ गिरा। उस पक्षी की चीख सुनकर, उसकी जोड़ी क्रौंची भी रोने लगी। यह दयनीय दृश्य देखकर वाल्मीकि को रामायण लिखने की प्रेरणा मिली।

ख. दशरथ कौसल राज्य के राजा थे।

ग. श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न दशरथ के चार पुत्र थे।

घ. सीता, ऊर्मिला, माण्ड़वी और श्रुतिकीर्ति ये चारों मिथिला नरेश का कन्याएँ थी।

ङ. राम अपने पिता के वचन का पालन करने के लिए चौदह साल का वनवास करने को तैयार हुए।

च. रावण राक्षसों के राजा थे। उनके दो अनुचर थे - मारीच और सुबाहू।

छ. श्रीराम के जीवन का उद्देश्य सत्य और धर्म की स्थापना है।

ज. हमें श्रीराम के जीवन से शिक्षा मिलती है कि हमेशा बड़ों का आदर करें, उनकी आज्ञा का पालन करें, सत्य के मार्ग पर चलें आदि मानवीय गुणों को अपनाए।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. कौसल राज्य सरयू नदी के किनारे स्थित था।

ख. राजा दशरथ की तीन रानियाँ थी - कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा।

ग. क्रौंच पक्षी आखेटक के बाण से घायल हुआ।

घ. श्रीराम और रावण के बीच घमासान युद्ध हुआ।

ङ. हमें अन्याय और असत्य के विरुद्ध आवाज़ उठाने का प्रयत्न करना है।

आ. क. राजा दशरथ की तीन रानियाँ थीं।

ख. श्रीराम का विवाह जनक की पुत्र के साथ हुआ।

ग. कौसल के राजा दशरथ थे।

घ. जीवन का उद्देश्य सत्य और धर्म की स्थापना है।

ङ. हमेशा सत्य की जीत होती है।

इ. क. पक्षी की चीख सुनकर उसकी जोड़ी क्रौंची भी रोने लगी।

ख. गुरु वसिष्ठ के शिक्षण में अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा दिलाई।

ग. राजाभिषेक की तैयारियाँ होने लगी।

ध. श्रीराम के जीवन का उद्देश्य सत्य और धर्म की स्थापना है।

ङ. दयनीय दृश्य देखकर ऋषि का हृदय दुःखने लगा।

ई. वरदान अभिशाप

ऊपर	नीचे
शुरू	अंत
प्रकट	अप्रकट

अच्छा	बुरा
राजा	रंक
युद्ध	शाँति

पाठ 12 कलरी पयट्ट - एक आयोधन कला

आ. गुण + कारी

आत्म + रक्षा

शिक्षा + अर्थी

प्रति + निधि

आयुर + वेद

इ.

मानसिक	हर्षित
वैज्ञानिक	आधारित
शारीरिक	पुलकित

ई. अन्त, सन्त

ग्रह, ग्रस्त

स्थिर, स्थित

महत्व, तत्व

उ. क. शारीरिक अभ्यास के साथ-साथ हथियारों के इस्तेमाल की शिक्षा भी दी जाती है। इन अखाड़ों को 'कलरी' और युद्धकला को 'कलरी पयट्ट' कहते हैं।

ख. कलरी पयट्ट को दो भागों में बाँटा गया हैं।

ग. गुरुओं को नमस्कार करके लाल पुष्प चढ़ाते हैं, जिसे 'रक्त पुष्प' कहते हैं।

घ. तेल मोच के बाद शिष्यों को जुलाब लेना पड़ता है और उसके बाद अभ्यास शुरू होता हैं।

ङ़. शारीरिक संतुलन के अभ्यास के लिए दस-बारह तरह की कसरतें करनी है। जैसेः- छलाँग लगाना, उछलना, लाठी चलाना। इसके बाद गर्दन, सीना और हाथ की कसरतें भी होती हैं।

च. कलरी का सिद्धाँत है कि अगर हम किसी का इलाज नहीं कर सकते तो हमें किसी को घायल करने का भी आधिकार नहीं है।

WORK BOOK ANSWERS

अ. हतियार - हथियार   स्वास्त्य - स्वास्थ्य
शिषक - शिक्षक   एकागृता - एकाग्रता
दूनीया - दुनिया   अभयास - अभ्यास

आ. पूराना x नया   स्थिर x अस्थिर
प्रचलित x अप्रचलित   संतुलन x असंतुलन
प्राचीन x अर्वाचीन   बाद x पहले

इ. क. अंक - राम को परीक्षा में अच्छे अंक मिले
अंग - कसरत कलरी का महत्वपूर्ण अंग है।
ख. और - राम और सीता वन गये।
ओर - पानी नीचे की ओर बहता है।
ग. की तरफ - पानी नीचे की तरफ बहता है।
की तरह - राम की तरह लक्ष्मण भी परेशान था।
घ. साथ - राम के साथ सीता भी थी।
सात - मै ने सात हानियों को देखा।

ई. क. कलरी में गुरु को देवताओं का प्रतिनिधि माना जाता है। गुरु के स्थान को 'पीडम' कहा जाता है।

ख. कलरी की शिक्षा समाप्त होने पर गुरु द्वारा दीक्षा दी जाती है। शिष्यों को कलरी चलाने की आज्ञा दी जाती है।

ग. कलरी सीखने से आत्मरक्षा की भावना पूर्ण होती है। शारीरिक संतुलन और मानसिक एकाग्रता भी मिलती हैं।

घ. कलरी में शारीरिक संतुलन को कोलतारी कहते हैं।

ङ. कलरी में प्रवेश करने से पूर्व शिक्षार्थी दहलीज़ पर तीन बार नमस्कार करता हैं। यहाँ दाहिने पाँव से प्रवेश करना पड़ता हैं।

पाठ 13 **परिश्रम ही जीवन है**

आ. कुरूप   मृत्यु   अनेक

इ. पेड़, वृक्ष
शाखा, डाल
पंछी, खग
जगत, संसार

ई. क. तरु की डालियों के पत्तों पर एक-एक तिनका जोड़कर चिड़िया अपना घोंसला बनाती है।
ख. चिड़िया प्रयत्नों के उम्मीदों की दुनिया बसाने के लिए व्याकुल है। इसलिए वह हार नहीं मानती।
ग. हमें चिडिया से सीख लेना है कि जीवन में कभी भी हार नहीं मानना चाहिए। परिश्रम ही जीवन का आधार हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. आँधी तूफानों को झोंकों से
हवा के तेज झोंके पड़ने पर
वह नहीं छोडता धैर्य की राह
बढ़ जाती है उमंग की धारा।

ख. प्रयत्नों के उम्मीदों की दुनिया
बसाने की व्याकुलता से ही
मुसीबतों के वीच में भी वह
हार नहीं मानती कभी भि।

आ. तिनका घास
उमंग इच्छा
धारा प्रवाह
घोंसला नीड़
हवा पवन

इ. क. परिश्रम ही जीवन का आधार है।
ख. तरु की डालियों के पत्तों पर चिड़िया ने घोसला बनाया।
ग. मनुष्य को चिड़ियों से श्रम के महत्व के बारे में सीखना है।

पाठ 14 **फूलों के प्रेमी**

आ. असभ्य सरल
अगले ध्वंस
गन्दगी गुलाम

इ. क. जानकारी - फूलों के प्रेमी नामक पाठ से हमें जापान के बारें जानकारी मिलती है।
ख. मशहूर - हिरोशिमा जापान का एक मशहूर नगर है।
ग. आकर्षक - मून्नार का प्राकृतिक सौंदर्य बहुत आकर्षक है।
घ. फुर्तीली - जापान के लोग बड़े फुर्तीली होते हैं।

ई. क. यह देश पूर्व दिशा में स्थित है। चारों ओर सागर से घिरा हुआ है। इसके बीच छोटे-छोटे अनेक टापू है। इसलिए इसे 'द्वीपों का देश' कहते हैं।
ख. जापान के लोग बड़े फुर्तीली, परिश्रमी और साहसी होते हैं।
ग. जापान की राजधानी टोकियो है।
घ. द्वितीय विश्व महायुद्ध में जापान को बुरी तरह से क्षति पहँची। वहाँ के दो मशहूर नगर हिरोशिमा और नागसाकी पर शत्रूओं ने अणुबंमों की वर्षा की।
ङ. द्वितीय विश्व महायुद्ध में जापान को बुरी तरह से क्षति पहूँची थी। पर पिछले कई वर्ष के उनके लगन और कठिन प्रयत्नों के कारण आज दुनिया के सब के श्रेष्ठ और विकसित देशों में इसकी गिनती की जाती हैं।
च. हर साल तीन मार्च के दिन गुड़ियों का त्योहार मनाते हैं।
छ. जापान में बालदिवस पाँच मई के दिन मनाया जाता है।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. दर्शनीय
ख. परिश्रमी
ग. राजमहल
घ. साहसी
ङ. सूर्यीदय

आ. क. क्षति - नाश, बरबादी
ख. प्रयत्न - मेहनत, परिश्रम
ग. राजा - भूपति, महिप
घ. बगीचा - बाग, वाटिका
ङ. धरती - भूमि, पृथ्वी

इ. लोग - लोग   देश - देश
नगर - नगर   किनारा - किनारे
घर - घर   दिशा - दिशाएँ

ई. जापान के लोग बहूत परिश्रमी होते हैं। जापान एक विकसित देश है। जापान में कई टापू है इसलिए इसे द्वीपों का देश कहा जाता है। इसे सूर्योदय का देश भी कहा जाता है। जापान की राजधानी ढोकियो है। जापान के लोग बड़े फुर्तीली, परिश्रमी और साहसी होते हैं।

पाठ 15 **समभावना की झलक**

आ. महात्मा, जीवात्मा
पत्ता, कुत्ता

इ. राज करना - पुराने ज़माने में राजा महाबली केरल पर राज करते थे।
इनकार करना - राजकुमार ने शादी करने से इनकार किया।
व्यतीत करना - कबीर ने संतों जैसा जीवन व्यतीत किया।
हुक्म देना - राजा ने अपने सैनिकों को हुक्म दिया।

ई. क. महात्मा ने देवदत्त से कहा।
ख. राजकुमारी ने देवदत्त से कहा।
ग. देवदत्त ने राजकुमारी से कहा।

उ. क. देवदत्त ने शर्त रखी कि वह राजा, धोबी और तेली की लड़कियों स विवाह करेगा।
ख. देवदत्त ने शर्त रखी कि वह राजा, धोबी और तेली की लड़कियों स विवाह करेगा। यह सुनकर राजा को क्रोध आया। राजा ने राजकर्मचारियों को हुक्म दिया

कि उसे राज्य से बाहर निकाल दिया जाए। इस प्रकार देवदत्त को राज्य छोड़कर जाना पड़ा।
ग. राजकुमारी ने देवदत्त से बताया कि 'अगर तुम मेरे सवाल का जवाब दोगे तो मैं तुम से शादी करने के लिए तैयार हूँ '।
घ. धोबी की सोलह वर्षीय लड़की को एक साँप ने ड़स लिया। देवदत्त ने महात्मा से विष उतारने का मंत्र सीखा था। उस मंत्र के द्वारा देवदत्त ने विष उतारा। विष के उतरते ही लड़की ने आँखें खोल दी।
ङ. हमें दूसरों को समभावना की दृष्टि से देखना चाहिए।

WORK BOOK ANSWERS

अ. राजा - रानी   धोबी - धोबिन
बेटा - बेटी   बूढ़ा - बूढ़िया
बुद्धिमान - बुद्धिमति

आ. कानन, विपिन   ज़िन्दगी, ज़िन्दगानी
महिप, भूपति लोचन, नेत्र

इ. हुक्म - आज्ञा   झोंपड़ी - कुटिया
शादी - विवाह   क्रोध - गुस्सा
जवाब - उत्तर   चरण - पैर, पाँव

ई. क. देवदत्त ने जंगल में एक महात्मा को देखा।
ख. राजा ने राजकर्मचारियों को हुक्म दी कि देवदत्त को राज्य से बाहर निकाल दिया जाए।
ग. मानव का सबसे श्रेष्ठ गुण यह है कि सब लोगों को समभावना की दृष्टि से देखना।
घ. देवदत्त बड़े दयालु और सच्चे दिल के इन्सान थे।

उ. समभावना - सम + भावना

राजगद्दी - राज + गद्दी

प्रसन्नतापूर्वक - प्रसन्नता + पूर्वक

बुद्धिमान - बुद्धि + मान

पाठ 16 न्यायप्रिय तेनाली रामन

आ. अधर्म अन्याय

अनुचित जन्म

अनिश्चय मेहनती

खुला सौभाग्य

इ. रानी कवयित्री

बाप नौकरानी

ई. क. चकित होना - जादूगर का जादू देखकर बच्चे चकित हुए।

ख. शासन करना - विजयनगर में कृष्ण देवराय नामक एक महान राजा शासन करते थे।

ग. दानी लोग गरीबों की मदद करते हैं।

घ. छब्बीस जनवरी के दिन वीर जवानों को पुरस्कार सम्मानित करते हैं।

उ. कहानियाँ इच्छाएँ

लोग महिलाएँ

दिल डंड़े

ऊ. होशियार धर्म

नीति मूर्ख

ए. क. कृष्ण देवराय विजयनगर के एक महान राजा थे।

ख. राजा कृष्ण देवराय के दरबार के मशहूर कवि और विदूषक था, तेनाली रामन।

ग. राजा की माँ धार्मिक विचारों की महिला थी। वे दीन दुखितों की मदद करती थीं। उनकी माता कुछ फल दान में देना चाहती थी। इस प्रकार माता की इच्छा पूरी करने के लिए राजा ने ब्राह्मणों को दान देना चाहा।

घ. तेनाली रामन बहुत समझदार और हाज़िर जवाब था। वह विचारों और शब्दों का जादूगर था। अपनी बातों से वह लोगों को हँसाया करता था।

ङ. ब्राह्मण तेनाली रामन के घर आये। तब उसने ब्राह्मणों से कहा कि 'मुझे अपनी माँ की अंतिम इच्छा पूरी करनी है। मेरी माँ के मरने से पहले, उनके घुटनों में दर्द था। इलाज के रूप में लोहे का डंड़ा गरम करके घुटनों पर जलन देना है। उनकी अधूरी इच्छा को पूरी करने केलिए में यह डंड़ा तुम्हारे पैरों पर रखूँगा'। ये बातें सुनकर लालची ब्राहमणों को अपनी गलती का अहसास हुआ।

च. अंत में राजा ने खुश होकर तेनाली रामन को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क् + त ----> क्त ----> उक्त, वक्त

त् + य ----> त्य ----> सत्य, कृत्य

द् + ध ----> द्ध ----> शुद्ध, सिद्ध

स् + व ----> स्व ----> स्वप्न, स्वर

त् + व ----> त्व ----> तत्व, महत्व

आ. न्याय - अन्याय धार्मिक - अधार्मिक
पूर्ण - अपूर्ण सत्य - असत्य
विश्वास - अविश्वास साधारण - असाधारण

इ. क. तेनाली रामन का असली नाम रामकृष्ण था।
ख. राजा कृष्ण देवराय की माता धार्मिक विचारों की महिला थी।
ग. तेनाली रामन बहुत समझदार और हाज़िर जवाब था। वह विचारों और शब्दों का जादूगर था। अपनी बातों से वह लोगों को हँसाता था।
घ. तेनाली रामन हमेशा अपना हास्य-विनोद का प्रयोग उचित कार्य के लिए और अन्याय के विरुद्ध किया करता था। वह न्याय के पक्ष का था। इसलिए उसे न्यायप्रिय कहा गया है।
ङ. तानाली रामन सदाचारी, धार्मिक तथा न्याय के पक्ष को मानता था।

पाठ 17 **मुक्ति की माँग**

आ. पुरानी पराया
गुलामी मृत्यु
जोड़ना

इ. जगत, संसार
चित्त, मानस
पैर, पाद
अभिलाषा, कामना

उ. क. कठपुतलियाँ दूसरों के इशारे पर नाचती हैं। उनका अपना कोई अस्तित्व नहीं है। वे कभी मुक्त दुनिया में नहीं है।

ख. मुक्ति का मतलब है - अपने पैरों पर खड़ा रहना।
ग. कठपुतलियाँ हमेशा मुक्त रहना चाहती हैं। वे अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं।
घ. कठपुतलियाँ नयी पीढ़ी के प्रतीक बनी हुई हैं। वे हमें मुक्त एव स्वतंत्र रूप में जीने की प्रेरणा देती हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. कठपुतली मुक्ती की माँग करती है।
ख. कठपुतलियाँ दूसरों के इशारे पर नाचती हैं। इसलिए उनका कोई अस्तित्व नहीं है।
ग. कठपुतलियो के मन में क्राँति की ज्वाला उबलती है।
घ. प्रस्तुत कविता मुक्ती की माँग करती है। अस्तित्वहीन ज़न्दगी से अस्तित्व की माँग करती है।
ङ. कठपुतलियाँ नयी पीढ़ी के प्रतीक बनी हुई है।

आ. अनोखी - विचित्र मुक्ति - स्वतंत्रता
सदा - हमेशा क्राँति - विद्रोह
धागा - सूत जीवन - ज़िन्दगी

इ. पुस्तकालय - पुस्तकों का आलय
हिमालय - हिम का आलय
कठपुतली - काठ का पुतली
दूधवाला - दूध देनेवाला
ड़ाकिया - ड़ाक लेनेवाला

ई. निम्नलिखित पंक्तियों को सही क्रम में लिखिए:
क. इच्छाएँ है सदा उनके मन में
ख. उबलती मन में क्राँति की ज्वाला

ग. तंग आगयी है इस जीवन से

घ. तोड़ना है धागों के श्रुखलाओं को

ङ. माँगती है वह मुक्ति औरों से

पाठ 18 **आचार्य देवो भवः**

आ. अनिच्छा रात

अशिक्षा मुलायम

हटना अप्रसन्न

प्रशंसा भूल

इ. विपिन, कानन

अध्यापक, शिक्षक

पुत्र, सुत

प्रभाकर, दिवाकर, रवि

शशि, चाँद, सोम

ई. क. इच्छा प्रकट करना - एकलव्य ने गुरु से अस्त्र-शस्त्र की विद्या सीखने की इच्छा प्रकट की ।

ख. अध्ययन करना - पाँड़वों ने गुरु द्रोण से अस्त्र-शस्त्र की विद्या का अध्ययन किया।

ग. आशीर्वाद - गुरु द्रोण ने एकलव्य को आशीर्वाद दिया।

घ. समर्पण करना - एकलव्य ने गुरु दक्षिणा गुरु के चरणों में समर्पित की।

उ. क. एकलव्य हिरण्य धनुस का पुत्र था।

ख. एकलव्य ने गुरु द्रोण से अस्त्र-शस्त्र की विद्या सीखने की इच्छा प्रकट की।

ग. एकलव्य नीच जाती का था। गुरु द्रोण केवल क्षत्रीय लोगों को ही अस्त्र-शस्त्र की विद्या पढ़ाता था। इस कारण से गुरु ने एकलव्य की प्रार्थना इनकार की।

घ. एकलव्य आचार्य द्रोण की मूर्ति बनायी और उसके सामने पूरी लगन से धनुर्विद्या सीखने लगा।

ङ. द्रोणाचार्य के शिष्यों में सब से प्रिय शिष्य अर्जुन था।

च. गुरु द्रोण ने एकलव्य से गुरु दक्षिणा के रूप में उसका अंगूठा माँगा।

छ. गुरु द्रोण ने एकलव्य को आशीर्वाद देकर कहा कि गुरु भक्ति के लिए तुम ने जो समर्पण किया उसकी यादयुगों तक रहेगी। जब तक सूर्य और चंद्र ब्रह्मांड में रहेगा तब तक लोग तुम्हें याद करेंगें। युगों तक तुम्हारा नाम अमर रहेगा।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. गुरु द्रोण ने एकलव्य से कहा।

ख. गुरु द्रोण ने एकलव्य से कहा।

ग. पांडवों ने एक साथ कहा।

घ. एकलव्य ने गुरु द्रोण से कहा।

ङ. द्रोणाचार्य ने एकलव्य से कहा।

आ. क. अपने दिल से बड़ी श्रद्धा के साथ उनका स्वागत किया।

ख. तब उसने कुत्ते की जीभ में बाणों की बर्षा की।

ग. गुरु को अपनी कुटिया पर पाकर बहुत प्रसन्न हुआ।

घ. गुरु द्रोण स्वयं एकलव्य की कुटिया पर पहूँचे।

ड़. वह चुपचाप चलने लगा।

इ. ईश्वर - भगवान | कोशिश - परिश्रम
आचार्य - गुरु | अपराध - गलती
अत्यंत - बहूत | महिमा - महत्व

ई. एकलव्य जंगल में रहता था। वह हिरण्य धनुस का पुत्र था। उसका जन्म नीच जाति में हुआ था। इसलिए वे अस्त्र-शस्त्र की विद्या सीख न पाया था। आचार्य द्रोण केवल क्षत्रीय लोगों को ही अस्त्र-शस्त्र विद्या सिखाता था। पर एकलव्य ने आचार्य द्रोण की मूर्ति बनाकर धनुर्विद्या का अध्ययन किया। अपने कठोर परिश्रम के कारण वह धनुर्विद्या में निपुण हुआ। अंत में गुरु ने एकलव्य से गुरुदक्षिणा के रूप में गुरु ने उसका अंगूठा माँगा। प्रसन्न होकर एकलव्य ने अपना दाए हाथ का अंगूठा काटकर गुरु के चरणों में समर्पित किया।

पाठ 19 **मंदिरों का देश - तमिलनाडू**

आ. अर्वाचीन — विदेश
अशिष्ट — अनैतिक
विकर्षक — कठिन
आलसी — अनादर

इ. मंदिर — पीढियाँ
चिडियाँ — पक्षी वृंद

ई. इतिहास — साहित्य
संस्कृति — नीति

उ. सत्य, कृत्य
अभ्यस्त, विश्वस्त
स्पष्ट, क्लिष्ट
व्यथ, व्यवसाय

ऊ. क. तमिलनाडू में हर जगह मंदिर ही मंदिर दिखाई देते हैं। इस कारण इसे मंदिरों का देश कहा जाता है।
ख. तमिलनाडू दक्षिण भारत में स्थित हैं।
ग. तमिलनाडू प्राचीन मूर्तिकला का निगम स्थान हैं।
घ. ऐतिहासिक दृष्टि से दक्षिण भारत तीन द्राविड़ राज्यवंशों में बाँटा गया था। वे थे - पल्लव देश, चोलवंश और चालूक्य वंश।
ङ. काँजीपुरम, महाबलिपुरम, चितंबरम, तिरुच्चिरापल्ली और मीनाक्षी मंदिर तमिलनाडू के प्रसिद्ध मंदिर हैं।
च. तमिलनाडू की राजधानी चेन्नै हैं।
छ. तमिलनाडू की भाषा तमिल है।
ज. कंबन, तिरुवल्लूर, सुब्रहमण्य भारती आदि तमिलनाडू के प्रमुख कवि हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. भरतनाट्यम — ख. मंदिर
ग. काँजीपुरम

आ. क. आदमी - औरत
ख. सेवक - सेविक
ग. विद्वान - विदुषी
घ. कवि - कवयत्रि
ङ. नर - नारी
च. पुरुष - स्त्री

इ. क — ख
आगे — पीछे
थोड़ा — बहुत

पकड़ना छोड़ना
सरल कठिन
गुण दोष
पुराना नया

पाठ 20 **पानी - प्रकृति का वरदान**

आ. मरना आसान
भूख गंदा
मारना

इ. नीर जल
सुधा पीयूष
सरिता तटिनी
समुद्र सरोवर

ई. क. पानी में हर प्राणी के लिए जीवनदायनी शक्ति है।

ख. पानी ही सब को जीवन प्रदान करता है। इसलिए इसे अमृत कहते हैं।

ग. निर्झर, झरना, झील, सरोवर, नदियाँ और सागर पानी के स्रोत हैं।

घ. प्रस्तुत कविता पानी के महत्व को व्यक्त करती है। पानी में जीवनदायनी शक्ति हैं। इसलिए हमें एक बूँद पानी भी व्यर्थ बहाना नहीं चाहिए। पानी का मूल्य समझना हैं। यही इस कविता का संदेश हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. क. हमें सदा निर्मल पानी पीना चाहिए।

ख. पानी अमूल्य है। जीवन का महत्व इसी पानी में है। इसलिए पानी को बचाये रखना है।

ग. पानी दूषित होने पर मनुष्य को बीमारी होने की संभावना है।

घ. पानी अमूल्य है। एक बूँद भी व्यर्थ नहीं बहाना है। इसी बात पर बच्चों को जागरूक होना है।

ङ. पानी प्रकृति का वरदान है।

आ. ख. दोनों गद्याँशों में पानी के बारे में कहा गया है। गर्मी के दिनों में सब कहीं पानी की कमी होती है। पर बारिश के दिनों में सब कहीं पानी भर जाता है। गर्मी के दिनों में नल से भी पानी नहीं मिलता। पानी की तलाश में मनुष्य को इधर-उधर धुमना पड़ता है। वर्षो के समय गाँव ओर शहरों में पानी भर जाता है, बाढ़ आता है। ये दोनों अवस्था मनुष्य के लिए आसुविधा जनक है।

पाठ 21 **परोपकार की भावना**

आ. दानव मृत्यु
घमंड़ (गर्व) बुराई
अंधेरा दुर्भाग्य
दुःख अशाँति
मरना अनावश्यकता

इ. क. अर्पण
ख. मनुष्य
ग. सूरज
घ. उन्नति
ङ. गर्व

ई. क. प्रकृति से हमें परोपकार की भावना सीखनी चाहिए। हमारा जीवन पराहित के लिए अर्पण करना चाहिए।

ख. आजकल के मनुष्य सिर्फ अपने लिए ही काम करते हैं। वे स्वार्थता की मूर्ति बन गए हैं। औरों के लिए कुछ नहीं करते।

ग. मानव का एक मात्र आधार परस्पर सहयोग है।

घ. स्वार्थ लोग जानवर के समान होते हैं। क्यों कि उनमें विनम्रता, दयाशीलता, न्यायप्रियता जैसे मानवीगुण नहीं होते।

ङ. पेड़, नदियाँ, सूरज जैसे प्रकृति के हर कण में परोपकार की झलक मिलती हैं। (पेड अपना फल स्वयं नहीं खाता, बल्कि वह दूसरों को देता है। नदियाँ अपना पानी नहीं पीते, वे दूसरों केलिए बहती हैं। सूरज स्वयं जलकर दुनिया को प्रकाश देता हैं।)

च. जो अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए जीना सीखें वही सच्चा मानव हैं।

WORK BOOK ANSWERS

अ. रवि, दिवाकर, प्रभाकर
सागर, पारावार
पेड, तरु

आ. रक्षा
देश
भय
धन
डर
जीव

इ. न्योछावर
संस्कृती
संग्राम
प्रदूषण
संरक्षण
समस्या

ई. क. हमें कहाँ से सीखना चाहिए?
ख. आजकल मनुष्य का व्यवहार कैसा है?
ग. स्वार्थी लोग किसके के समान होते हैं?
घ. परोपकारी व्याक्ती कैसा जीवन बिताता हैं?
ङ. सूरज क्या करता हैं?

उ. पेड़ मनुष्य को परोपकार की भावना सिखाता है।
पेड़ हमें अपने शिखरों से छाया देते हैं।
मनुष्य को खाने केलिए मीठे-मीठे फल देते हैं।
पेड़ स्वयं धूप सहकर दूसरों को हवा प्रदान करते हैं।
अपने घर की बनावट केलिए मनुष्य को पेड़ों की आवश्यकता है।
पेड़ मनुष्य को प्राणवायु प्रदान करता है।
कुछ पेड़ों में औषध के गुण भी होते हैं।
मनुष्य के जीवन में पेड़ों का महत्वपूर्ण स्थान है।
पेड़ों को काटने से बारिश की कमी होती है।
बारिश कम होने पर सब कहीं सूखा पड़ जायेगा।